



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 23, 1982 (माघ 3, 1903)
No. 4] NEW DELHI SATURDAY, JANUARY 23, 1982 (MAGHA 3, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ		
भाग I—खण्ड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये संकल्पों और प्रसाविक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	47	भाग II—खण्ड 3(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरण (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सामान्य साविक नियमों और साविक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	79	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये साविक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये संकल्पों और प्रसाविक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	---		
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनायें	85	भाग II—खण्ड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के सम्बन्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें	726
भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियम अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें और नोटिस	25
भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रेषण द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें	25
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के जिल तथा रिपोर्ट	*	भाग III—खण्ड 4—विधिवि अधिसूचनायें (जिनमें साविक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनायें, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं)	595
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरण (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये सामान्य साविक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियाँ आदि भी शामिल हैं)	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी विकासों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	21
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरण (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये साविक आदेश और अधिसूचनायें	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुसूचक	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1—421GI/81

CONTENTS

	PAGE		
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	47	PART II—SECTION 3 (iii).—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	79	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	725
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officer's issued by the Ministry of Defence ..	85	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	25
PART II—SECTION 1.—Acts Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	25
PART II—SECTION 1-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	595
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	21
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्राशासनिक सुधार विभाग

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1982

नई दिल्ली-1, दिनांक 23 जनवरी, 1982

सं० 9/11/81-के० से०-II—गृह मंत्रालय, कार्मिक और प्राशासनिक सुधार विभाग, कर्मचारी चयन आयोग द्वारा सन् 1982 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिए, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में सम्मिलित किए जाएंगे) में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए ली जाने वाली प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के नियम सर्वसाधारण को सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड —II
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा ग्रेड—II
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा—अवर श्रेणी ग्रेड
- (v) भारत के निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद
- (vi) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (vii) महानिरीक्षक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (viii) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निम्नलिखित श्रेणी लिपिक के पद।

आयोग अपने उम्मीदवारों से अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय उपर्युक्त सेवाओं/पदों के संबंध में बरीयताएं मांगेगा। किन्तु कोई उम्मीदवार लिखित परीक्षा की तारीख से पहले एक बार बरीयताओं के क्रम में परिवर्तन कर सकता है।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा समाचार पत्रों में जारी किए गए विज्ञापन में निर्दिष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण किया जाएगा।

3. (i) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने संघ की सशस्त्र सेवाओं में, जिनके अन्तर्गत भूतपूर्व

भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाएं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आसाम राइफल्स, सेना सुरक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियरी बल, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना नहीं आते, षण्ण ग्रहण करने के पश्चात् कम से कम छह मास की निरन्तर अवधि तक किसी रैंक में (चाहे योद्धा के रूप में या गैर-योद्धा के रूप में) की है, और

(क) जिसे उसके अपने अनुरोध पर या कदाचार अथवा अदक्षता के कारण पदच्युति या बर्खास्तगी के कारण के अलावा अन्य किसी रूप में निर्मुक्त कर दिया गया है, अथवा ऐसी निर्मुक्ति तक के लिए रिजर्व को स्थानांतरित कर दिया गया है, या

(ख) जिसे यथा पूर्वोक्त निर्मुक्त या रिजर्व को स्थानांतरित किए जाने के लिए हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिए अधिक से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिसे संघ की सशस्त्र सेनाओं में पांच वर्ष के सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् उसके अपने ही अनुरोध पर निर्मुक्त कर दिया गया है।

(ii) संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित जाति) संघ राज्य क्षेत्र (आदेश 1951) संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति), सूचियां (संशोधन) आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित (संविधान) (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा-संशोधित संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान

(अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978 ।

(iii) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से अभिप्राय निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी से सम्बद्ध व्यक्ति से है :—

(क) बहरे : बहरे व्यक्ति ऐसे व्यक्ति हैं जिनको जीवन के सामान्य प्रयोजन के लिए सुनने का बोध न हो, उच्च स्तर के साफ बोलने पर वे न तो बिल्कुल सुन सकते हों और न ध्वनि को समझ सकते हों, इस वर्ग में ऐसे मामले भी शामिल हैं जो ठीक कान (गम्भीर रूप से असमर्थ) 90 डेसीबल से अधिक नहीं सुन सकते हों अथवा दोनों कानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हों ।

(ख) शारीरिक रूप से विकलांग : शारीरिक रूप से ऐसे विकलांग व्यक्ति हैं जिन्हें शारीरिक दोष हो अथवा अंग-विकृति हो जिससे कार्य करने में हड़्डी पेशियों तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा, पैदा होती हो ।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के परिशिष्ट I में विहित लिखि से किया जाएगा ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे ।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या तो—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
- (ङ) ऐसा मूल भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांगानिका व जंजीबार), जाम्बिया, मलावी, जायरे इथोपिया और वियतनाम से आया हो ।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) (घ) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पात्रता प्रमाण-पत्र होना चाहिए

(2) परन्तु यह भी शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ख), (ग) तथा (घ) से संबंधित उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड—VI में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे ।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति पत्र तभी दिया जा सकता है जब उसे वह मंत्रालय/विभाग आवश्यक प्रमाण-पत्र दे जो उस पद से सम्बद्ध हो जहाँ उम्मीदवार की नियुक्ति की संभावना हो ।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी है कि पहली अगस्त, 1982 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरी 25 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1957 से पहले और पहली अगस्त, 1964 के बाद न हुआ हो ।

(ख) उन भूतपूर्व सैनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सशस्त्र सेना में कम से कम छः महीने की निरन्तर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना की कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक ऊपरी आय सीमा में छूट दी जाएगी ।

इस आयु छूट के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित अथवा अनारक्षित सभी रिक्तियों के लिए प्रतियोगी होने के हकदार होंगे ।

टिप्पणी : उपरोक्त नियम 5 (ख) के प्रयोजन के लिए किसी भूतपूर्व कर्मचारी की सशस्त्र सेना में आवाज़ पर सेवा (काल आफ सर्विस) की अवधि भी सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में समझी जाएगी ।

(ग) इन सभी मामलों में उपरलिखित ऊपरी आय-सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक ।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर,

1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।

- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रतवर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक ।
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से सद्भाव पूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक ।
- (ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही और शान्तिकाल के दौरान विकलांग होने के फल-स्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।
- (x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही और शान्तिकाल के दौरान विकलांग होने के फल-स्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक ।
- (xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।
- (xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने

के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक ।

- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ।

- (xiv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अर्थात् जिसका कोई अंग विकृत है तो अधिक से अधिक 10 वर्ष (अनुसूचित जातियों व जन जातियों के उन उम्मीदवारों के लिए, जो शारीरिक रूप से विकलांग भी हैं, शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को मिलने वाली 10 वर्ष की आयु-छूट उन्हें खण्ड (I) के अन्तर्गत मिलने वाली आयु-छूट के अतिरिक्त होगी ।) और

- (xv) ऐसी विधवाओं, तलाक़गुदा महिलाओं और ग्यायिक तौर पर अपने पतियों से अलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की महिलाओं के लिए 40 वर्ष तक) ।

(घ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष तक की आयु की छूट दी जाएगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों में तथा निर्वाचन आयोग के कार्यालयों में लिपिकों/सहायकों/संकलकों/ भंडार रक्षकों के पदों पर नियुक्ति रूप से नियुक्त हैं और 1-8-1982 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं ।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा और (2) भारतीय विदेश सेवा (ख) (3) रेलवे सचिवालय सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं, और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षाओं में बैठ रहे हैं ।

(ङ) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जाएगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और सम्बद्ध कार्यालयों में हिन्दी

लिपिक/हिन्दी टंकण के पदों पर नियुक्त हैं और 1-8-1982 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंकणों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते आ रहे हैं।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकण केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(घ) ऊपरी आयु सीमा में सैनिक-लिपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जाएगी जो सशक्त सेवा में अपनी कलर सेवा के अन्तिम वर्ष में है अर्थात् उनको जो सेना से 2 अगस्त, 1982 से पहली अगस्त, 1983 की अवधि में निवृत्त होने वाले हैं, ऐसे उम्मीदवारों को शुल्क में कोई छूट नहीं दी जाएगी।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्नसेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिए ही, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित नहीं हैं, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(छ) उन टेलीफोन अपरेटरों के लिए कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं होगी, जो दिनांक पहली अगस्त, 1982 को विदेश मंत्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत् जारी रहेगी।

टिप्पणी : 1. डाक व तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक छंटाईकारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5 (घ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई मानी जाएगी।

टिप्पणी : 2. यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5 (घ), नियम 5 (ङ) और नियम 5(क) में उल्लिखित आयु संबंधी रियायतों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन-पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, वह नौकरी से त्यागपत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएं, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है, लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाए तो वह पात्र बना रहेगा।

टिप्पणी : 3—किसी लिपिक को जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद (एक्स-केडर-पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दिया जाएगा।

टिप्पणी : 4—विदेश मंत्रालय में भाग ले रहे कार्यालयों/विभागों में काम कर रहा कोई स्थाई अथवा अस्थायी टेलीफोन अपरेटर इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा परन्तु किसी टेलीफोन अपरेटर को परीक्षा

पास करने के लिए दो से अधिक अवसर प्रदान नहीं किए जाएंगे। जो टेलीफोन अपरेटर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से अन्य असंवर्ग पदों पर प्रतिनियुक्त पर हों, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे यदि वे अन्वया पात्र हों। यह उस व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अन्य असंवर्ग पद या स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है, यदि उस समय टेलीफोन अपरेटर के पद में उसका पुनर्ग्रहणधिकार है।

टिप्पणी : 5—जहां तक इस नियम की उक्त श्रेणी (छ) के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों का सम्बंध है, यह परीक्षा अर्हक होगी। प्रतियोगितात्मक नहीं। उनको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा। जो इस परीक्षा का एक भाग है। उन्होंने पहले से टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी तो उन्हें इस अयोग द्वारा ली गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में उनकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास करनी होगी। यदि वे यह परीक्षा पास नहीं करेंगे तो उन्हें कोई वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी जाएगी। जब तक कि वे कथित परीक्षा पास नहीं कर लेंगे। आयोग द्वारा सिफारिश किया गया टेलीफोन अपरेटर केवल भारतीय विदेश सेवा खा-ग्रेड VI में लिया जाएगा।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अलावा निर्धारित आयु-सीमाओं में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

6. भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो उस राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिए मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समकक्ष माना जाता हो वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास की होनी चाहिए।

टिप्पणी 1—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिस के पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र हो जाएगा परन्तु जिसका परिणाम उसे सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी : 2—कुछ विशिष्ट मामलों में, जहां कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उसे अहता-प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बशर्ते कि वह उस स्तर तक

अर्हता प्राप्त हो जो उस सरकार को राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिए यथोचित है।

7. (1) जिस व्यक्ति ने:—

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह अनुबन्ध किया है, जिसका/ जिसकी पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए तब तक पात्र नहीं माना जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे व्यक्ति को विवाह में दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के अन्य कारण हैं और जब तक उसकी इस नियम से छूट न दे दें।

2. जिस व्यक्ति ने विदेशी राष्ट्रिका से विवाह किया है, वह भारतीय विदेश सेवा ग्रेड 1 की नियुक्ति के लिए पात्र नहीं मना जाएगा।

8. जो उम्मीदवार पहले से स्थायी अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हो, वह परीक्षा में बैठने के लिए सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उसे टंकण परीक्षा में बैठने की अनुमति से पहले अपने कार्यालय से एक अनापत्ति प्रमाण-पत्र भेजना होगा।

9. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों को डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने की सम्भावना होगी।

टिप्पणी:—अशक्त भूतपूर्व रक्षा व्यक्तियों/कर्मियों के मामले में रक्षा सेवा के सैन्य विघटन डाक्टरी बोर्ड (डोया-बोलाइजेशन मेडिकल बोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. मशरूफ सेना से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के विज्ञापन के अन्तर्गत शुल्क को छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों से निर्धारित शुल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का यत्न किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिए अयोग्य माना जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो जबकि उसने:—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों को धिगाड़ा गया हो, अथवा

(v) गलत या झूठे कर्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा

(viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा

(ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोगी (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा तो जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिये;

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है; और

(ग) उपर्युक्त नियमों के प्रधान अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नौकरी में हो।

15. परीक्षा के बाद उन उम्मीदवारों को जो टंकण परीक्षा में पास होंगे अथवा जिनको छूट मिल जाएगी लिखित परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर बने श्रेष्ठता-क्रम में रखा जाएगा तथा उसी क्रम में जितने उम्मीदवार आयोग द्वारा परीक्षाओं

में पाम हुए पाए जाएंगे उनको आनरक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुपात न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रिश्तायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

आगे यह भी शर्त है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुपात न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए आयोग, सामान्य स्तर में रिश्तायत देकर भी भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर ध्यान दिए बिना ही उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

16. परीक्षा-परिणाम के आधार पर नियुक्तियां करते समय किसी उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र देते समय विभिन्न सेवाओं पदों के लिए बताई गई प्राथमिकताओं का समुचित ध्यान रखा जाएगा।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परीक्षा-फल के संबंध में उससे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जांच के बाद जब तक सरकार संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

आर० सी० गुप्ता, उप सचिव

परिशिष्ट—I

1. परीक्षा दो भागों में ली जाएगी अर्थात् भाग-I लिखित परीक्षा और भाग-II टंकण परीक्षा

भाग I—लिखित परीक्षा—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र सं०	विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1.	अंग्रेजी भाषा	150	1 1/2 घंटा
2.	सामान्य अध्ययन	150	1 1/2 घंटा

भाग II—टंकण परीक्षा—टंकण परीक्षा में लगातार टाइप करने की सामग्री (रनिंग मीटर) का एक 10 मिनट का पत्र होगा।

2. अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र आबजैक्टिव टाइप के होंगे।

3. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग II में बैठने के लिए केवल वही उम्मीदवार पात्र होंगे जो लिखित परीक्षा में आयोग के विवेकानुसार निश्चित किया गया एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे।

4. परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्ति के लिए सिफारिश के पात्र होंगे जो अंग्रेजी में कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति से टंकण परीक्षा पास करेंगे।

(यह विदेश मंत्रालय में नियुक्त टेलीफोन ऑपरेटरों पर लागू नहीं होता)

टिप्पणी: I—जिन उम्मीदवारों से संघ लोक सेवा आयोग अथवा सचिवालय प्रशिक्षणशाला या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान या अधीनस्थ सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अथवा हिन्दी 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पहले ही पास कर ली हो उन्हें इस परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षा में अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा की तारीख बतानी चाहिए।

टिप्पणी: II—जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य होने का दावा करना है, उसे गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से इस परीक्षा के देने और पास करने की शर्त से छूट दी जा सकती है बशर्ते कि ऐसे उम्मीदवार को जब टंकण परीक्षा देने के लिए कहा जाए तो वह मक्षम चिकित्सा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से निर्धारित प्रपत्र में एक प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करे जिसमें उसको किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया गया हो।

5. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिए अपनी टाईप मशीन लानी होगी। स्टेन्डर्ड साईज के रोलर वाली मशीन टाइप के लिए काम दे सकेगी।

6. उम्मीदवारों को छूट होगी कि टंकण परीक्षा हिन्दी (देवनागरी लिपि) में दे अथवा अंग्रेजी में।

7. टंकण परीक्षा के उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरादा आवेदन-पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा

कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देंगे। एक बार नत्ता हुआ विकल्प अन्तिम होगा और इसके परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध साधारणतः स्वीकार नहीं होगा। उम्मीदवार द्वारा चुनी गई भाषा के बिना किसी अन्य भाषा में टंकण परीक्षा देने पर कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिया गया है।

9. उम्मीदवार को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

अनुसूची

भाग I—लिखित परीक्षा—में सम्मिलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान:—

(क) अंग्रेजी भाषा में प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द भण्डार वर्ण-विन्यास समानार्थक, विपरीतार्थक शब्दों का कितना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सही और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है।

(ख) सामान्य ज्ञान:—

भारत का संविधान, भारतीय इतिहास तथा संस्कृति भारत का सामान्य एवं आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है। उम्मीदवार के उत्तर ऐसे होने चाहिये जिनसे यह पता चले कि उन्होंने प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्वक समझ लिया है तथा किसी पाठ्य पुस्तक का विस्तृत अध्ययन नहीं किया है।

परिशिष्ट —II

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं:—

1. उच्च श्रेणी ग्रेड रु० 330-10-380-६० रो०-12-500-६० रो०-15-560।

2. अवर श्रेणी ग्रेड रु० 260-6-290-६० रो०-6-326-8-६० रो०-8-390-10-400।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान वे सरकार द्वारा

यथा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और विभागीय परीक्षाएं पास करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षा पास न कर सकने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति नौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीक्षाधीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है, या यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में असन्तोषजनक रहा हो, उसे सेवा में निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा की अवधि जितनी बढ़ाना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

4. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यकर्ता कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली भी हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हों।

5. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नत किये जाने के पात्र होंगे। स्थाई या नियमित रूप से नियुक्त किए गए अस्थाई अवर श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में यथानिर्दिष्ट निर्णायक तारीख को 5 वर्ष की अनुमोदित या निरन्तर सेवा अवधि पूरी कर चुकेंगे, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

6. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम दो वर्ष अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा करने के बाद श्रेणी 'घ' के आशुलिपिकों की परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्णायक तारीख को 50 वर्ष होनी चाहिये।

7. जिन लोगों की नियुक्ति केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उनकी इच्छा के अनुसार की जाएगी, वे उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विदेश सेवा (ख) के कांडर में अथवा रेलवे बोर्ड के सचिवालय लिपिक सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति की मांग नहीं कर सकेंगे।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्ति अवर श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्त, नियुक्ति, प्रशिक्षण, पदोन्नति, आदि रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम 1970 से जो समय समय पर बने हैं, संचालित होती है।

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्नलिखित दो श्रेणियां हैं:—

उच्च श्रेणी लिपिक—रु० 330-10-380-६० रो०-12-500-६० रो०-15-560।

अवर श्रेणी लिपिक—रु० 260-6-290-६० रो०-6-326-8-366-६० रो०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी लिपिकों के ग्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसे विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा निर्धारित किये जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखलाने पर अथवा परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर उन्हें सेवा से हटाया जा सकता है।

4. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे। ऐसे स्थाई अथवा नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्धारित निर्णायक तारीख को रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुके हों, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे।

5. निम्न श्रेणी ग्रेड में भर्ती किए गए व्यक्ति इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा यथानिर्धारित निर्णायक तारीख को कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुकने के बाद, रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी "घ" के लिए ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिये ऊपरी आयु सीमा निर्णायक तारीख को 45 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की भांति अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए हैं :—

- (1) पेंशन के लाभों के हकदार होंगे, और
- (2) जब वे नौकरी में नियुक्त हुए हों, उस तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिए लागू और अंशदायी राज्य रेलवे भविष्य निधि के नियमों के अधीन उस निधि में अंशदान करेंगे।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भांति ही बराबर मात्रा में प्रिविलेज पासों और प्रिविलेज टिकट आर्डरों के हकदार होंगे।

9. जहां तक छुट्टी तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को, उसी प्रकार की सुविधाएं हैं जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा सुविधाएं उन्हें दूसरे केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनकी मुख्यालय नई दिल्ली है, के समान है।

अनुबन्ध—II

ग—भारतीय विदेश सेवा (ख)—ग्रेड VI

वेतनमान : रु० 260-6-290-द० रो०-6-326-द० रो०-8-390-10-400।

भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड VI में नियुक्त किये गये अधिकारी उक्त ग्रेड में आठ वर्षों की सेवा पूरी करने पर रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 के वेतनमान में ग्रेड V में पदोन्नति के लिये पात्र हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड V अधिकारी उक्त ग्रेड में पांच वर्षों की सेवा पूरी करने पर रु० 425-15-500-द० रो०-15-560 20-700-द० रो०-25-800 के वेतनमान में अपनी पारी पर उक्त सेवा के ग्रेड IV में नियुक्ति के लिये पात्र होंगे।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड VI के अधिकारी, रु० 330-10-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 के वेतनमान में उक्त ग्रेड में अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के आधार पर सेवा के उप-संवर्ग के आशुलिपिकों के ग्रेड-III में पदोन्नति के लिये पात्र होंगे।

4. ग्रेड VI के ऐसे अधिकारी, जो स्नातक हैं, रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 के वेतनमान में, उक्त ग्रेड में, अपेक्षित वर्षों की सेवा पूरी करने पर सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से भा० वि० से० (ख) के उप-संवर्ग में सहायक के ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र होंगे।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किये गये उम्मीदवार या तो मुख्यालय पर भारत के किसी भी स्थान में अथवा विदेश में, जहां नियंत्रक प्राधिकारी द्वारा उन्हें तैनात किया जाता है, किसी पद पर सेवा करनी होगी।

6. विदेश सेवा के दौरान, भा० वि० से० (ख) के अधिकारियों को, उनके मूल वेतन के अतिरिक्त, उन दरों पर विदेश भत्ता मंजूर किया जायेगा जो संबंधित मुल्कों के निर्वाह व्यय आदि के आधार पर समय समय पर मंजूर किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियम, 1961 के अनुसार, जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों के लिये लागू हैं, विदेश सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होंगी :—

- (I) सरकार द्वारा निर्धारित मानदण्ड के आधार पर निशुल्क आवास;
- (II) सहयोजित चिकित्सा परिचर्या योजना के अधीन चिकित्सा परिचर्या सुविधायें।
- (III) भारत में किसी निकट सम्बन्धी, जिसका निर्धारण सरकार करेगी, की मृत्यु अथवा गम्भीर बीमारी जैसी संकटकालीन परिस्थितियों के लिये अधिकारी की सेवा के दौरान ड्यूटी स्थान से भारत में आने और वापस जाने संबंधी अधिकतम दो बार वापसी हवाई यात्रा व्यय।
- (IV) कतिपय शर्तों पर, भारत में अध्ययन कर रहे 6 से 22 वर्ष की आयु वाले बच्चों को छुट्टी के दौरान अपने माता पिता के पास जाने के लिये वार्षिक वापसी हवाई किराया।

(V) कतिपय शर्तों पर, अधिकारी के विदेशों में तैनाती स्थान पर अध्ययन कर रहे 5 से 18 वर्ष की आयु के बीच वाले अधिकतम दो बच्चों के शिक्षा सम्बन्धी व्यय को सरकार पूरा करती है।

(VI) उपस्कर भत्ता-रूप 1,750-विदेश में प्रति तैनाती।

(VII) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारी और उस के परिवार के लिये स्वदेश छुट्टी यात्रा व्यय।

मेवा में नियुक्ति, स्थायीकरण और वरिष्ठता सम्बन्धी शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ख) (भर्ती संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 के संगत उपबन्धों और किन्हीं अन्य नियमों अथवा आदेशों जिन्हें सरकार बाद में बनाये, द्वारा भी शामिल होंगी।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ग्रेड है
उच्च श्रेणी ग्रेड:—र० 330-10-380-द० र० 12 500 द० र० 15-560।

अवर श्रेणी ग्रेड:—र० 260-6-290-द० र० 6-326-8-366-द० र० 8-390-10-400।

उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पद अवर श्रेणी लिपिकों में से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती केवल अवर श्रेणी ग्रेड में ही की जाती है।

2. अवर श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अवधि में असन्तोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है। परिवीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय समय पर लागू नियमों के अनुसार वृष्टिकरण तथा पदोन्नति के पात्र होंगे।

4. सशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किये गये अवर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किये जायेंगे। किन्तु लोक हित में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है।

5. छुट्टी, चिकित्सा सहायता तथा मेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मकारियों पर लागू होती है।

(ङ) संसदीय मामलों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का वेतन मान र० 260-6-290-द० र० 326-8-366-द० र० 390-10-400 है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रखा जाएगा।

(च) भारत तिब्बत सीमा पुलिस

भारत तिब्बत सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का वेतनमान र० 260-6-290-द० र० 326-8-366-द० र० 390-10-400 है।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवार दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन होंगे।

(छ) केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का वेतनमान र० 260-6-290-द० र० 326-8-366-द० र० 390-10-400 है।

2. केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा निर्वाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद के० स० लि० से० में शामिल नहीं है।

3. नियुक्त किये गये व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन होंगे।

4. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 5 वर्ष तथा निर्वाचन आयोग में 8 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् वे उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र होंगे।

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1982

सं० 81/ई० (जी० आर०)/1/1/8—यांत्रिक इंजीनियरों को भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रेंटिसों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1982 में की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आगम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 (द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1959, अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (बादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और

दियू) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968, संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1978।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) पूर्वी अफ्रीकी देशों से या जांबिया, मलावी, जैरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवारों को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1982 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1962 से पहले और 1 जनवरी 1966 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्न-लिखित मामलों में ढील दी जा सकती है :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत-मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।

(vi) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(vii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(viii) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(x) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात काल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले

भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xi) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवाजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(xiii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) में कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हर्ष शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनको कार्यकाल छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(xv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हर्ष शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल छः महीनों के अन्दर पूरा होना

है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

6. उम्मीदवार से—

(क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्व-विद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

(ख) स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत हायर सेकेण्डरी (12 वर्ष) परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी तथा रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम और/या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, या

(ग) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (शाम के कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के चार-वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोन्नति के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो जिसमें गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों के तीन-वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से एक विषय के साथ पास की हो वे आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(घ) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्व-विद्यालय की पूर्व इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

(ङ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यताप्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष के बाद ली गई हो, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(च) किसी विश्वविद्यालय के पांच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांच-वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो वे भी आवेदन पत्र भेज सकते हैं लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा की गई हो; या

(छ) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम-से-कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

नोट (i)—जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो उन्हें भी शैक्षणिक दृष्टि से पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उसके प्राप्तियों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

नोट (ii)—कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षा-फल की सूचना उसे नहीं मिली है इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र दे सकता है। ऐसे उम्मीदवार को यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा, लेकिन उसके प्रवेश को अंतिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा का पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 20 अगस्त 1982 तक पेश नहीं करता तो उस के प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

नोट (iii)—आपवादिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हों, जिसके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

नोट (iv)—जिन उम्मीदवारों के पास राज्य तकनीकी-शिक्षा-बोर्डों द्वारा दिए गए इंजीनियरी डिप्लोमा हैं वे स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसज परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं हैं।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग के नोटिस के पैरा 5 में विनिर्दिष्ट फीस दे।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिचयन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है:—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो प्रश्नीय भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) उपर्युक्त वाक्यांशों में निर्धारित सभी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अप्रतिष्ठित करने, जैसा भी मामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो

उसके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई भी की जा सकती है :—

- (क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए जिसका वह उम्मीदवार है, अनर्हक घोषित किया जा सकता है; या
- (ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—

(1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या चयन से;

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

- (ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

- (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, अपने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविवेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तिगत परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षण रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में साक्षात्कार के लिए बुलाना संभव न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छूट दी जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में अर्हक समझे, उतनी अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी जितनी रिक्तियों को परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियाँ सामान्य स्तर के आधार पर भरने से रह जाएं, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिथिल करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है भले ही परीक्षा में योग्यताक्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बशर्ते वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार का परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भेजा जाये, इस बात का निर्णय आयोग स्व-विवेक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

16. उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि वह मानसिक और शारीरिक दृष्टि से पूर्णतया स्वस्थ हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके कारण सेवा के अधिकारी के नाते उसके कर्तव्य पालन में बाधा पड़ने की संभावना हो। जो उम्मीदवार ऐसा डाक्टर की परीक्षा के बाद जैसा कि सरकार या नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी जैसी स्थिति हो, विनिर्दिष्ट करे इन आवश्यक बातों को पूरा नहीं करता, उसे नियुक्त नहीं किया जाएगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टर की परीक्षा ली जाएगी जिनकी नियुक्ति के बारे में विचार होने की संभावना है। डाक्टर की परीक्षा के समय उम्मीदवारों को संबंधित चिकित्सा मंडल को रु० 16-00 (रुपये सोलह) फीस देनी होगी।

नोट :—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, इनके लिए उन्हें मलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टर की परीक्षा होगी और इसमें उनसे किस स्तर की अपेक्षा की जाएगी, इसका ध्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट II में दिया गया है। अपाहिज भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों और 1971 के हिन्दू पाक युद्ध के दौरान अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए सोमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के संबंध में प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन शर्तों से छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो, जिसकी एक पत्नी/जिमका एक पति जीवित हो अथवा

(ख) जिने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविदा की हो,

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेष है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन लिए गए विशेष श्रेणी अभ्यर्थियों के लिए अभ्यर्थिता की शर्तें परिशिष्ट-III में दी गई हैं। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

हिम्मत सिंह, सचिव, रेलवे बोर्ड

परिशिष्ट I

(देखिए नियम 3)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग —नीचे दर्शाए गए विषयों में अधिकतम 700 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग II—व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिए नियम 12)।

2. भाग के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1.	अंग्रेजी	01	2 घंटे	100
2.	सामान्य विज्ञान	02	2 घंटे	100
3.	भौतिकी	03	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान	04	2 घंटे	100
5.	गणित I (बीज गणित, प्रारंभिक विस्तार- कलन, त्रिकोण- मिति और विश्लेष- णात्मक ज्यामिति)	05	2 घंटे	100
6.	गणित II (कलन अन्तर तथा समाकलन और यांत्रिकी स्थैतिकी तथा गतिकी)	06	2 घंटे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	07	1 घंटा	100
योग				700

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल “वस्तुपरक” प्रश्न होंगे, नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए आयोग के नोटिस (उपाखण्ड- के साथ लगी उम्मीदवार “सूचना पुस्तिका” देखें)।

4. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो केवल माप व तौल की मीट्रिक प्रणाली से सम्बद्ध प्रश्न दिये जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखें। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए ग्रहक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटर्स का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

अनुसूची

अंग्रेजी (कोड सं० 01)—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार को समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार की अपने चारों ओर के वातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्नों के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास पौधे और पशु, वंशागत और परिवेश अनुवंशिकी प्रकृति क्रोमोसोम उत्पत्ति।

मानव शरीर की जानकारी—पोषाहार संतुलित भोजन प्रतिस्थायी खाद्य। महामारियों और सामान्य रोगों की रोक-थाम सहित लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। वातावरणीय प्रदूषण और उसकी रोकथाम खाद्य अपमिश्रण खाद्यांशों और उनसे निर्मित उत्पादों को सही प्रकार से स्टोर करना तथा परीक्षण। जनसंख्या विस्फोट जनसंख्या, नियंत्रण खाद्य और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान खाद और उर्वरक फसल रक्षण उपाय, अधिकतम किस्में और हरित क्रांति भारत के मुख्य अनाज और नकदी फसल।

सीर परिवार और पृथ्वी। ऋतुएं, जलवायु, मौसम। भूमि—इसकी रचना और अपरदन। वन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट (चक्रवात तूफान, बाढ़, भूकम्प ज्वालामुखी उद्गार) पर्वत और नदियां और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। प्राकृतिक साधनों का वितरण और भारत में उद्योग। तेल सहित भूगत खनिजों की खोज। भारत के वनस्पति जात और प्राणिजात के विशेष संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधनों विनियम। भारत का इतिहास, राजनीति और समाज।

जैविक. महावीर, बुद्ध, मौर्य, शुंग, ग्रान्ध कुशान, गुप्त काल (मौर्य कालीन स्तम्भ, स्तूप कंदराएं, सांची, मथुरा और गंधर्व विद्यालय मंदिर वास्तुकला, अजंता और एलोरा) इस्लाम के आने के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और व्यापक संबंधों की स्थापना। सामंतवाद से पूंजीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संबंधों की शुरुआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संग्राम।

भारत का संविधान और उसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं— लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और

सरकार की संसदीय प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएं—लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद और अहिंसा के गांधीवाद विचार। भारतीय राजनीतिकदल, प्रभावशाली गुट, लोकमन और प्रेस, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता—शस्त्र निर्माण होड़, शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएं (खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित)।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएं—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तनों और दृष्टिकोण। अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएं—विवाह, परिवार, धर्म और संस्कृति संक्रमण।

श्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता सामाजिक नियंत्रण पुरस्कार और सजा कला, कानून, रीति-रिवाज, गलत प्रचार, लोकमत सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियां—परिवार धर्म राज्य शैक्षिक संस्थाएं, सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, प्रौद्योगिकीय, जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक क्रांति की संकल्पना।

भारत में सामाजिक विघटन

जातिवाद, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में अष्टाधार, युवक अशांति, पीछे भांगना, औषध अपराधवृत्ति और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण और श्रम कल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण।

धन कराधान, मूल्य, जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और लोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर आर्थिक कारण, संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास स्फीति और साधन जुटाने से संबंध मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं भारत की पंच-वर्षीय योजनाएं।

भौतिकी (कोड सं० 03)

वनियर, स्कूज, स्फीरोमीटर और आप्टिकल लीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई की माप।

समय और द्रव्यमान की माप।

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच सम्बन्ध।

न्यूटन के गति के नियम: संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति।

घर्षण गुणांक

बल क्रिया के अन्तर्गत पिंडों का संतुलन। बल का आघूर्ण: युगवत न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत। पलायन वेग। गुरुत्व के कारण त्वरण।

द्रव्यमान तथा भार। गुरुत्वकेन्द्र। एकसमान चक्रीय गति अभिकेन्द्र बल। सरल आवर्त गति। सरल लोलक।

3-421 GI/81

द्रव में दबाव और इसकी विभिन्न महुराई। पास्कल का नियम। आर्कमिडीज का सिद्धांत। तैरने वाले पिन्ड। परिवेशी दबाव और इसकी माप।

तापमान और इसकी माप। तापीय प्रसार। गैस नियम, और परम ताप। विशिष्ट ऊष्मा। गुप्त ऊष्मा और उनकी माप। गसों की विशिष्ट ऊष्मा। ऊष्मा का यांत्रिक समकक्ष। आंतरिक ऊर्जा और ऊष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी और रुद्धोष्म परिवर्तन।

ऊष्मा संचरण: तापीय चालकता।

तरंग गति अनुदैर्घ्य और अनुप्रस्थ तरंगें। प्रगामी और अप्रगामी तरंगें। गैस में ध्वनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता। अनुमाद परिघटना (वायु स्तंभ और रज्जू)

प्रकाश का परावर्तन और आवर्तन। वक्र दर्पणों और लेंसों द्वारा बिम्ब रचना। सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दोष)।

प्रिज्म:—विचलन और प्रकीर्णन। न्यूनतम विचलन। वृष्य स्पेक्ट्रम।

छड़ चुम्बक का क्षेत्र। चुम्बकीय आघूर्ण। भूचुम्बकीय क्षेत्र के तत्व चुम्बकत्वमाप। डाय, पैरा और फेरी चुम्बकत्व।

विद्युत चार्ज, विद्युत क्षेत्र और विभव: कोलम्ब नियम।

विद्युत धारा:—विद्युत सेल, ई० एम० एस० प्रतिरोध: एमीटर और वोल्टमीटर। ओह्म का नियम: श्रेणी और समानान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता। धारा का तापन प्रभाव।

व्हीटस्टोन ब्रिज, विभवमापी।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव: सीधे तार कुंडली और सोलिनायड:—विद्युत चुम्बक; विद्युत घंटी।

चुम्बकीय क्षेत्र में चालक बासी धारा पर बल: चल कुंडलीधारामापी; एमीटर या वोल्टमीटर में परिवर्तन।

धारा के रासायनिक प्रभाव: प्राथमिक और स्टोरेज सेल और उनकी क्रियाविधि विद्युत अपघटन, के नियम।

विद्युतचुम्बकीय प्रेरणा, सरल ए० सी० तथा डी० सी० जनित। ट्रांसफार्मर, अपघटन कुंडली।

कैथोड किरणें, इलेक्ट्रॉम की खोज, परमाणु का बोहर माडल। डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग।

एक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग।

विद्युतनामिकता:—ऐल्फा, बीटा और गामा किरणें।

नाभिकीय ऊर्जा, विखंडन और संलयन: द्रव्यमान का ऊर्जा में परिवर्तन श्रृंखला अभिक्रिया।

रसायन विज्ञान (कोड सं० 04)

भौतिक रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्ण माडल। विविध माडल के रूप में परमाणु। कक्षाय परिसंकल्पना। क्वान्टम, संख्या और उनकी विशेषता; केवल आरम्भिक। अभिक्रिया। पाली का अपवर्जन सिद्धान्त। इलेक्ट्रॉनिक विन्यास। आफनु सिद्धान्त एस० पी० डी० और एफ० न्लाक तत्व।

प्रावर्ती वर्गीकरण—केवल दीर्घ रूप। प्रावर्त और इलेक्ट्रॉनिक विन्यास परमाणु अनुपात। प्रावर्तक और ग्रुपों में विद्युत नकारात्मकता।

2. रासायनिक आबन्धन, इलेक्ट्रोनेट, कोबलेट, कोडिनेट, की बलेंट बन्धन। जा० तथा एक्स० बन्धनों के बन्धन गुण, जल, हाइड्रोजन, सल्फाईड, मिथेन और अमोनियम क्लोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार। मोलेक्यूलर सम्बन्ध तथा हाइड्रोजन आबन्धन।

3. रासायनिक अभिक्रिया; ऊर्जा परिवर्तन ऊष्मा उन्मोची और ऊष्माशोषी। अभिक्रिया। ऊष्मागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग। स्थिर ऊष्मा संकलन की हैस का नियम।

4. रासायनिक संकलन और अभिक्रिया की दरें। द्रव्यमान क्रिया का नियम। दबाव के प्रभाव। तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ला चेटलियर के सिद्धांत पर आधारित गणात्मक अभिक्रिया) प्राणविकता प्रथम तथा द्वितीय क्रम अभिक्रियायें। संक्रियमण का उर्जा परिकल्पना। अमोनिया और सल्फर डाइआक्साइड के निर्माण के लिए प्रयोग।

5. विलयन : वास्तविक विलयन कोलोइडल विलयन और स्थगन। तन विलयनों के अणुसंख्य गुणधर्म और बिलान पदार्थों के अणु भार निश्चित करना। क्वाली बिन्दुओं का उन्नयन। हिमांक अवसादन। आस्मेट दबाव। राल्ट का नियम (केवल अनुष्मागतिकी अभिक्रिया)।

6. विद्युत रसायन विज्ञान:— विद्युत अपघटन। विद्युत अपघटन का फौरन नियम। आयनी संतुलन। धूलनशीलता उत्पाद। प्रबल तथा क्षीण अपघटन। अम्ल तथा बेस (लवण तथा ग्रीनस्टाड की परिकल्पना)। पी० एच० तथा उभय प्रतिरोधी विलयन।

7. आक्सीकरण अपचयन :—आधुनिकी इलेक्ट्रॉनिकी परिकल्पना और आक्सीजन श्रृंखला।

8. प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनानामिकता :—नाभिकीय विखंडन और संलयन। विघटन नाभिक समस्थानिकों के उपयोग।

अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों का संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके औद्योगिकीय महत्वपूर्ण मिश्रण।

1. हाइड्रोजन : आवत तालिका में स्थिति। हाइड्रोजन का समस्थानिक मृणात्मक तथा घनात्मक विद्युती। जल, कटीर तथा मुदुल जल; उद्योगों में जल का उपयोग। भारी पानी और इसके उपयोग।

2. ग्रुप I तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनिर्माण। सोडियम कार्बोनेट। सोडियम बाइकार्बोनेट और सोडियम क्लोराइड।

3. ग्रुप II तत्व। आणु तथा बुझा हुआ चूना। जिप्सम। प्लास्टर आफ पैरिस। मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4. ग्रुप III तत्व। बीरक्स, एलुमिया और एलम।

5. ग्रुप IV तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन। सिलिकेट, जोनिटिस तथा अर्धसुचालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. ग्रुप V तत्व। अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनिर्माण। गैल फास्केट और निरापद दियासलाई।

7. ग्रुप VI तत्व। हाइड्रोजन पर आक्साइड, गंधक, सल्फ्यूरिक अम्ल की उपररूपता। गंधक के आक्साइड।

8. ग्रुप VII तत्व। ब्लारिन क्लोरिन का विनिर्माण तथा उपयोग। ब्रोमीन और आयोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। ब्लीचिंग पाउडर।

9. ग्रुप (उत्कृष्ट गैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. धातुकर्मीय संसाधन—तांबा, लोहा, एल्यूमिनियम, चांदी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट सन्दर्भ के साथ धातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियां। इन धातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्रधातु; निकिल मैंगनीज, इस्पात।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेट्राहेड्रल स्वरूप। संकरण और जी० एन० बन्धन तथा उनकी सापेक्षिक शक्ति। एकल तथा बहु बन्धन। अणु का आकार। ज्यामितीय तथा प्रकाशीय समावयवता।

2. एल्केन, एल्कीन और एल्कीलीन के तैयार करने के गुणधर्म और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियां। पेट्रोलियम और इसकी परिष्करण ईंधन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन:—

अनुनाद और एरोमैटिकता। बैंजीन तथा नटथालीन और उसके सादृश्य एरोमैटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियायें।

3. हैलोजीन व्युत्पत्तियां; क्लोरोफार्म कार्बन, टेट्राक्लोराइड, क्लोराबैनजीन—डी० डी० टी० और गैमबसीन।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण : प्राथमिक द्वितीय और तृतीयक एल्कोहल मिथानाल, एथानाल, ग्लीसरोल और फिनोल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एलिफैटिक कार्बन अणु पर प्रतिस्थापन अभिक्रियायें।

5. प्रथर : डाइथाइल इथर।

6. एलडीहाइडस और कैटान्स। फार्मलडीहाइड। एसी-टेलीडीहाइड। बेजलडीहाइड, एसीटोन, एसीटोफीनाल।

7. नाइट्रो योगिक एमीन; नाइट्रोबैनजीन : टी० एन० टी०। एनीलीन डाइजोनियम योगिक। एजोडाइज।

8. कार्बीक्सीलिक अम्ल : फोर्मिक, एसीटिक बैनजोइक और सेलीसिलिक अम्ल, एमीटाइल सेलीसिलिक अम्ल।

9. एस्टर : इथाइलरोसीटेट, मिथाइल सेलीसिलेट्स, इथाइल बेनजोर।

10. पालीमर्स : पोलिथीन, टेजलान, पर्सपेक्स, कृत्रिम रबड़, नायलन और पोलिस्टल नन्तु।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, वसा और लिपीड्स, एमोनी अम्ल और प्रोटीन विटामिन और होर्मोन्स की असंरचनात्मक अभिक्रिया।

गणित-I (कोड सं० 05)बीजगणित

अंक प्रणाली—वास्तविक अंक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रारम्भिक अंक सिद्धांत—विभाजन, इलेगोस्थिम विधि अभाज्य और संयुक्त संख्याएं गुणित तथा गुणनखण्ड। गुणनखण्ड प्रमेय। महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। युक्लाडीन ऐल्मोन्थिम।

लघुगुणक और उनका प्रयोग।

आधारी संक्रिया: सरल गुणनखंडन। बहुपदों का महत्तम समापवर्तक, लघुतम समापवर्त्य। द्विघाती समीकरणों का हल, इसके हल और गुणांक में सम्बन्ध।

भाजक ऐल्मोन्थिम 1

सूचकों के नियम, ए० पी० और जी० टी० ज्यामितीय श्रेणियों और इसका आवर्ती दशमलव भिन्न में प्रयोग।

क्रमधय और संतोन्नन। घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिए द्विपद परिमय। सन्निकटन के लिए परिमेय सूचकों के लिये द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगपत रैखिक समीकरण (तीन अज्ञात संख्याओं तक) और उनके हल। एक्स 1 एक्स 2 और एक्स 3 पर बाई के दिये हुए मूल्यों के लिये द्विघाती बक्र बाई०-ए० बी० एक्स० सी० एक्स० 2 का संयोजन।

युगपत रैखिक असमिका (दो अज्ञात संख्याओं में) और उनका ग्राफ। 2×2 मैट्रोसिज और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समक आब्यूह। 3 से अधिक क्रम का आब्यूह निश्चयन का विषय।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समकल आकृति का क्षेत्रफल। घनों पिरामिडों, लम्ब-वृत्तीय बेलनों के आयतन और घरातल—शंकू और गोलक।

(उपर्युक्त अध्यायों से सम्बद्ध व्यावहारिक प्रश्न पूछे जायेंगे और आवश्यकतानुसार योजित सूत्र दिये जायेंगे।)

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में माप। त्रिकोणमितीय अनुपात। योग के सूत्र। कोणों के अपवर्त्य और अपवर्तकों के साइन की लाइन और टेनजेंट। साइन की लाइन और टेनजेंट का अवर्तिता और ग्राफ। सरल त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊंचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

विश्लेषिक ज्यामिति

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। समान्तर और लम्बीय रेखाएं।

दो सीधी रेखाओं की काटिशियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के स्पर्शी और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मूलाक्ष। वृत्त-कुल।

परवलय दीर्घवृत्त और अतिपरवलय का मानक समीकरण। वक्र पर किसी बिन्दु पर स्पर्शी और सामान्य समीकरण।

(जहां आयोग उचित समझेगा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लोगरिथमिक तालिकाओं के प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है।)

गणित II (कोड सं० 06)कलन (अवकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उनके ग्राफ संयुक्त और व्युत्क्रम फलन वास्तविक फलनों का बीजगणित। परिमय और त्रिकोमिति फलनों के उदाहरण और फल-फलन।

सीधा धारणा और फलन और योगस्तर का सांतन्य फलनों का उत्पत्ति और भागफल।

किसी बिन्दु पर फलन का व्युत्पन्न। परिवर्तन की तत्क्षणिक दर के रूप में व्युत्पन्न और वक्र का ढाल।

फलनों के योग, अन्तर, गुणनफल और भागफल की व्युत्पत्तियां। संयुक्त फलनों और 11 फलनों के व्युत्क्रम की व्युत्पत्तियां। बहुपद फलनों, परिमय फलनों, अपवर्तक फलनों, त्रिकोणमितीय फलनों और व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलनों का व्युत्पत्तियां।

फलनों का आद्य और अतिस्थित पूर्णांक।

सरल मामलों में आद्य की परिगणन—(सरल) प्रति-स्थापन द्वारा और अंशतः समेकन।

यांत्रिकी (संदिज पद्धतियों को अनुमति होगी)।

स्थितिकी: बल का निरूपण बल समान्तर चतुर्भुज। बल का संयोजन और विभेदन। समविश और विपरीत बल। आधूण बल युग्म। संतुलन के प्रतिबन्धसंगामी बल और समतलीय बल (4 से अधिक नहीं)।

बल-त्रिभुज।

सरल पिण्डों का गुरुत्व केन्द्र।

कार्य और शक्ति। सरल यंत्र (लीवर, बिरनी, तारब, गियर)।

गतिकी: कण का विस्थापन गति वेग और त्वरण। सतत त्वरण के अन्तर्गत सीधी रेखा में गति। प्रक्षेपी से संबंध सरल प्रश्न। एक रस्ती से बन्धे दो द्रव्यमानों की गति। ऊर्जा विनियम।

(जहां आयोग उचित समझेगा उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लाग की प्रयोग की अनुमति दी जा सकती है।)

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (कोड सं० 07)—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों की नुनियादी जानकारी और यांत्रिक अभिरुचि का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किया जाएगा जिसके सामने उम्मीदवार के शैक्षिक तथा शाखाबाह्य दोनों प्रकार के जीवन वृत्त का अभिलेख होगा।

उनसे सामान्य हित के मामलों से संबंध प्रश्न पूछे जायेंगे। उनके नेतृत्व, पहलशक्ति और बौद्धिक उत्सुकता, व्यवहार कुशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति, व्यावहारिक प्रयोग की शक्ति और चरित्र की सत्यनिष्ठा के गुणों का मूल्यांकन करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।

परिशिष्ट-II

यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिए विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रकाशित किए जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षकों और उन उम्मीदवारों का मार्ग दर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि कोई उम्मीदवार इन विनियमों में दिए गए नियमों के अनुसार योग्य नहीं है तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उसकी अनुसंशा करने का अधिकार होगा जिसके लिए बोर्ड इस आशय के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि अमुक उम्मीदवार सरकार की हानि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के साथ दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आय दण्ड और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लवें। यदि वजन, कंधे और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एकसरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही कोई बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु, कंधे और छाती के घेरे के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित है, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

	कंधे	छाती का घेर	फैलाव (पूरा फैला कर)
	सं. मी०	सं. मी०	सं. मी०
पुरुष उम्मीदवारों के लिए	152	84	5
महिला उम्मीदवारों के लिए	150	79	5

अनसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैंड के आदिवासियों आदि, जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद कम से कम कद में छूट दी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार मटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एड़ियों के पाँवों के भ्रंशों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियाँ, पिंडलियाँ, निम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दी हैड लेबल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे जायें। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटर में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवारों की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पाँव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते की छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों ((इन्फीरियर एंगिल्स) के पीछे रहें और यह फीते की छाती के गिर्द के जाने पर (आड़े समतल उसी हारिजेंटल प्लेन) में रहें। फिर भजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। जैसे 84-89, 86-93 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें —अन्तिम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा :—

(i) सामान्य (जनरल) —किसी रोग या असामान्यता (एबनार्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आँखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्टि-गुअस स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (बिजुअल एंग्यटी) —दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इसके आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण से परीक्षा की जाएगी और उसकी दृष्टि सुतीक्ष्णता रेल बोर्ड की चिकित्सा अधिकारियों की स्थाई सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जाएगी।

ध्यान दें —नीचे निर्धारित के स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करेंगे, उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जाएगा।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दृष्टि सुतीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

	दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि
	अच्छी आंख	खराब आंख
	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिए	6/6 अथवा 6/1	2 अथवा 6/9
	6/9	6/9
	ज० 1	ज० 1

नोट (1)

- (क) मायोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल 400 जी० से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (ख) हाइपरमेट्रोपिया (सिलेण्डर सहित) कुल + 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (ग) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

नोट (2)

कलर विजन —कलर वजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिए। लाल संकेत, हरे संकेत और भूरे रंग की आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिए इशितहारों की प्लेटों और एंजिज ग्रीन जैसी दोनों लेडने का प्रयोग होगा।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना

चाहिए तो लैटर्न में एपचर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. दारु (पावर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिए रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है।

नोट (3)

दृष्टि क्षत्र (फोल्ड आफ विजन) —सभी सेवाओं के लिए सम्पन्न विधि (कन्फेशन मथड) द्वारा यूनिट दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट (4)

रतोंधी (नाइट ब्लाइण्डनेस) —केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतोंधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतोंधी में दिखाई न देने की जांच करने के बाद लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चिन नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

नोट (5)

दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की वशा (आक्स्युलर कंडीशन्स)

(क) आंख की ग्रंथ सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (रिफ्रेक्टिव एरर), जिसके परिणाम स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता कारण समझा जाना चाहिए।

(ख) भैगापन —जहां दो ि आंखों को दृष्टि का होना जरूरी है भैगापन अयोग्यता माना जाएगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(ग) एक आंख वाला व्यक्ति —एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट (6)

कान्टेक्ट लेंस —चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेंस का प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करते समय दूर की दृष्टि के लिए टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति

15 फट कैन्डिल की प्रदीप्ति जैसी हो। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त की शिथिल करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेक्जीमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्नलिखित प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग $100 \times$ आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्ति में ब्लड प्रेशर के आकलन में $110 +$ आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें — सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविध्य मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार की अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला या इसका कारण कोई कायिक (औद्योगिक) बीमारी है। ऐसे तम, मामलों में हृदय का एक्सरे और ईलैट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाय (विनयरेस) की जांच की भी नमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड (प्रेशर रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमतः पारे वाले दाब मापों (मर्करी मनीमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या धबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्त कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए इसके बाद लकड़ी की पट्टी को फलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ब्रेकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेटोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी रहती है और इसके बाव इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ

और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होता है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी है तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर तक ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "माइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए पूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट संभल जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हेरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित

नहीं किया जा सकता बशर्त कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा क अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क', तार यातायात सेवा ग्रुप 'ख', केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती :

(i) एक कान में प्रकट स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज अथवा पूर्ण बहुरापन, पदों पर नियुक्ति के लिए, दूसरा कान सामान्य अयोग्य होगा।

(ii) दोनों कानों में बहुरापन स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज का प्रत्यक्ष बोध जिसमें पदों पर नियुक्ति के लिए श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।

(iii) सैन्ट्रल अथवा मार्जिनल कर्ण पटल का कोई छिद्र टाइप के टिमपैनिक ठीक न हो तो अयोग्य मेम्ब्रेन का छिद्र। किन्तु विक्षप धाव का निशान अयोग्यता का कारण नहीं माना जाएगा।

(iv) कान के एक ओर दोनों स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के ओर मस्टाइट कैबिटी पदों के लिए अयोग्य। से सबनार्मल श्रवण

(v) बहने रहने वाला आप- तकनीकी और गैर-तकनीकी रेशन किया गया/बिना पदों के लिए अस्थायी रूप आपरेशन किया गया। से अयोग्य।

(vi) नासापुट की हड्डी (i) प्रत्येक मामले की सम्बन्धी विषमताओं परिस्थितियों के (बोनी डिफार्मिटी) अनुसार निर्णय सहित अथवा उससे लिया जाएगा। रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/ आलजिक दशा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

(vii) टॉसिल्स और/अथवा (i) टॉसिल और/अथवा स्वर यंत्र (लेरिक्स) स्वर यंत्र की जीर्ण की जीर्ण प्रदाहक दशा—योग्य।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

(viii) कान/नाक/गले (ई० (i) हल्का ट्यूमर—अस्- पन० टी०) के हल्के थाई। स्थायी रूप से अथवा अपने स्थान अयोग्य। पर दुर्दभट्युमर।

(ii) दुर्दभट्युमर—अयोग्य। श्रवण यंत्र की सहायता से या आप- रेशन के बाद 30 डेसीबेल श्रवणता के अन्दर होने पर योग्य।

(ix) आस्टोफिलरोसिस स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिए अयोग्य।

(x) कान, नाक अथवा (i) यदि काम-काज में गले के जन्मजात बाधाक न हो तो योग्य। दोष।

(ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।

(xi) नेजल पोली अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह धबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।)

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकोसिल, बेरिकाज-शिरा (बेन) या बवाशीर है या नहीं।

(ज) उसके अंगों हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी से निशान हैं या नहीं। जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी दिलक्षयता का पता लगाने के लिए साधारण जटिल परीक्षा से जात न हो, उसी मामलों में ऐसी रूप में छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई राग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र से अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्वस्थता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—चाहे बोर्ड विशेष हो या स्थायी हो—के विरुद्ध अपील करने का अधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर संतुष्ट हो जाती है तो यह सरकार की इच्छा पर होगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील की इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सूचित किया गया है उसकी तारीख से एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए, अन्यथा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुगोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय संबंधी त्रुटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक इसमें सम्बद्ध चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

मेडिकल बोर्ड और उसकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

2. किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना है।

3. यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या भ्रदायिगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नाट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा

दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

5. डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

6. ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बतायी हो उनका विस्तृत व्योरा नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को आयोग बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (ओषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा:

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्न-लिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके पास लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें:—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं:—

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जैसी जानियों नागालैंड जन-जाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “हां” में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दोरे रुमेटिज्म, गोंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

5. आप को चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था ?
6. क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कन्जम्पशन सीरोफला गाउट, दमा, वीरे, अपस्मार या पागलपन का शिकार हुआ है ?
7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ?
8. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यूरे दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	---	--

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	---

9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?
10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हां" में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।
11. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
12. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?
13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—
मैं घोषित करता हूँ कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किए—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेवार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा

और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो बार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (प्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ————— (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट .

1. सामान्य विकास : अच्छा —————

बीच का ————— कम —————

पोषण : पतला ————— (औसत) —————

मोटा ————— कद : (जूते उतारकर) —————

वजन—अत्युत्तम वजन—कब था ? —————

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन—

तापमान —————

छाती का बेर—

(1) पूरा सांस खींचने पर—

(2) पूरा सांस निकालने पर—

2. स्वस्था—कोई जाहिरा बीमारी।

3. नेत्र:

(1) कोई बीमारी —————

(2) रतंधी —————

(3) कलर विजन का बीष —————

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी) —

(6) फंडस की जांच —————

दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना	चश्मे से	चश्मे की पावर स्फी० सिलि-एक्सिस
---------------------	---------------	----------	---------------------------------

दूर की नजर	दा० ने० बा० ने०
------------	--------------------

पास की नजर	दा० ने० बा० ने०
------------	--------------------

हाईपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	दा० ने० बा० ने०
--------------------------	--------------------

4. कान : निरीक्षण ————— सुनना

————— दायां कान —————

बायां कान —————

5. ग्रंथियां ————— थाइराइड —————

6. दांतों की हालत —————

7. श्वसन तंत्र (रेस्पायरेटरी सिस्टम) —क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो पूरा स्पौरा दें —————

8. परिसंचरण तंत्र (सन्चालितरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक विक्षत (आर्गनिक लीजन) —

गति (रेट) :

खड़े होने पर —

25 बार कुदाए जाने के बाद —

कुदाए जाने के 2 मिनट के बाद —

ब्लड प्रेशर — सिस्टोलिक —

डायस्टोलिक —

9. उदर (पेट) घेरा — स्पर्श सहायता

हार्निया —

(क) दबा कर मालूम पड़ना/जिगर —

तिल्ली — गुर्दे —

ट्यूमर —

(ख) स्कतार्श —

भगधर —

10. तंत्रिका तंत्र (नर्व सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत —

11. ताल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :

कोई अपसामान्यता —

12. जनन मूल तंत्र (जैनिटी यूरिचरी सिस्टम) —

हाइड्रोसील, बेरिकोसील आदि का कोई संकेत :

मूल परीक्षा : —

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रैविटी)

(ग) एल्ब्यूमिन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट्स

(च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एकसरे परीक्षा की रिपोर्टें

14. नया उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट — महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के वक्ष, सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।

स्थान —

तारीख —

अध्यक्ष —

सदस्य —

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रेंटिसों

हेतु अप्रेंटिसशिप की शर्तें

अप्रेंटिसशिप की शर्तों का उल्लेख इंडियन रेलवे एस्टेब्लिशमेंट मैनुअल में निर्धारित करार पत्र में कर दिया जाएगा। इसका संक्षिप्त ब्योरा निम्न प्रकार है :—

1. स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के रूप में नियुक्ति के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार को निर्धारित प्रपत्र में इस आशय का करार करना होगा कि सरकार की संतुष्टि के अनुरूप स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में प्रस्तावित नियुक्ति को स्वीकार न करने की स्थिति में जो धन उसे दिया गया है या सरकार द्वारा जो धन उस पर खर्च किया गया है, उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिभू संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होंगे। सरकार को खर्च की राशि के बारे में निर्णय करने का एकमात्र अधिकार होगा।

अप्रेंटिस की शुरू में एक चार-वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक अनुबन्ध पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेलवे में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रेंटिसशिप एक वर्ष के बाद दूसरे वर्ष तभी चालू रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्टें मिल जाती हैं। अप्रेंटिसशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को इस बारे में संतुष्ट नहीं करता है कि वह अच्छी प्रगति कर रहा है तो उसे अप्रेंटिसशिप से भलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी — भारत सरकार अपनी विवक्षा पर प्रशिक्षण की अवधि तथा कोर्स में कोई परिवर्तन या संशोधन कर सकती है।

2. अप्रेंटिसशिप को चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशॉप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लास अप्रेंटिसों को इस अवधि के दौरान या तो काउंसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन एग्जामिनेशन (लन्दन) का भाग 1 और 2 या इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) एग्जामिनेशन की एसोशिएट मेम्बरशिप का सेक्शन 'ए' और 'बी' अवश्य पास करना चाहिए। अप्रेंटिसों को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 350/- ₹० प्र० मा० छात्रवृत्ति तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान 400/- ₹० प्र० मा० छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। अप्रेंटिसशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यवहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल छः सिमस्टर परीक्षाएं होंगी जिनमें प्रत्येक उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उनके निष्पादन को देखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अचल निचले बैच में चले जाने को या अप्रेंटिसशिप से हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी :—सिवाय जैसा कि नीचे पैराग्राफ 4 में व्यवस्था है या वह अनधीनता असंयम या अन्य कदाचार का बोधी पाया जाता है, या कोई करार भंग कर दिया जाता है, अप्रेंटिसशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रशिक्षण का चौथा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रेंटिसों की एक सूची ली गई परीक्षा या अप्रेंटिसशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर योग्यता क्रम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रेंटिस यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे।

ध्यान दें :—किसी भी प्रशिक्षु को अर्हक स्तर की योग्यता से युक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छह सिमेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व वैद्युत इंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रधानाचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस अवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विषय में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षुओं को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उसकी प्रशिक्षुता असफल रही, प्रशिक्षुता से निवर्तित कर दिया जाएगा।

5. अप्रेंटिसशिप के चार वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट में नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रेंटिसों को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारियों के वेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

परिशिष्ट IV

यांत्रिकी इंजीनियरों का भारतीय रेलवे सेवा से संबंधित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्ति और वेतन का आरम्भ (क) अप्रेंटिसशिप की 4 वर्ष की अवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ख) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु शत यह है कि उन स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज का, जो अपने अप्रेंटिसशिप के 4 वर्ष के भीतर ए० एम० आई० ई० (लन्दन) के भाग 1 और 2 ए० एम० आई० ई० (इंडिया) के भाग ए० और बी० परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिवीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट : (1) परिवीक्षकों की सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक वेतन वृद्धियां स्वीकृत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के संबंध में वर्ष के अन्त में संतोषजनक रिपोर्ट प्राप्त न हो जाए।

(2) किसी भी ओर से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिवीक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनको एक या अनेक भारतीय रेलवे केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय-समय पर संशोधित भी हो सकती है। परिवीक्षाधीन अधिकारियों को कार्य समय से बाद किसी प्राविधिक महाविद्यालय में या इंजीनियरी विषयों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की अवधि में प्रशिक्षण की प्रत्येक दशा के बाद अभियंता और जिस रेलवे में परिवीक्षित की नियुक्ति होती है, यहाँ के मुख्य परिचालक अधीक्षक द्वारा सम्मिलित रूप से आयोजित होगी जिसमें अर्हता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवीक्षा की अवधि में उनके रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ौदा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा अनिवार्य होगी और इसमें दुबारा बैठने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी जब तक कुछ आपवादिक परिस्थितियां न हों और अधिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छूट को उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक ये परीक्षा में उत्तीर्ण न हों उनका स्थायीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवीक्षा अवधि यथावश्यक बढ़ा दी जाएगी। परिवीक्षा की अवधि के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसके विषय होंगे—लेखा और प्राक्कलन, सामान्य और आनुषंगिक नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्ति अधिनियम, श्रमिकों से काम कराने का कौशल तथा परिवीक्षा की अवधि में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी अनुपयुक्तता। उनको इस विभागीय परीक्षा में परिवीक्षा के दूसरे साल के अन्दर-अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी वेतन-वृद्धि रुकवा दी जाती है। निश्चित अवधि के अन्दर किसी जाति या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवीक्षा की अवधि बढ़ानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परिवीक्षा अवधि के बावजूद बनाए जाने पर पहली और उसके बाद की वेतन-वृद्धियों की प्राप्ति समय-समय पर परिवर्तित नियमों और आदेशों अनुसार नियंत्रित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति निम्नानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ आपवादिक

परिस्थितियाँ न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कर्ब सिख कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उचित मान्यता प्राप्त हो ।

ध्यान दें : सरकार, अपने निर्णय से, किसी भी कार्य भारी पद की प्रशिक्षण अवधि और परीक्षा अवधि में परिवर्तन कर सकती है । अगर किसी मामले में प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त न होने पर प्रशिक्षण की अवधि बढ़ा दी जाती है तो तदनुसार परीक्षा की समस्त अवधि बढ़ाई जाती है ।

4. परीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण हुआ होना चाहिए या परीक्षा अवधि में उत्तीर्ण होना चाहिए । वह परीक्षा शिक्षा निदेशक, दिल्ली के द्वारा आयोजित हिन्दी प्रवीण या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा हो सकती है ।

जब तक कोई परीक्षाधीन अधिकारी इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है, तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसका वेतन सामयिक वेतनमान में रु० 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है । अगर इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है । कोई छूट नहीं दी जा सकती ।

5. सन् 1965 के बाद की परीक्षा के आधार पर वार्षिक इंजीनियरी की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्ति किसी भी व्यक्ति को, अपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा से या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद पर काम से कम चार वर्ष की अवधि तक काम करता होगा । अगर कोई प्रशिक्षण ही, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि शामिल है ।

परन्तु उस व्यक्ति को :—

- (क) परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष सम्पन्न होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होगी ।
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करनी पड़ेगी ।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी :—

- (क) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और
- (ख) राज्य रेलवे गैर अंशदायी भविष्य निधि में उक्त निधि के नियमों के अन्तर्गत अंशदान करेंगे :—

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्यभार ग्रहण करते हैं, लागू है ।

7. परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से वेतन शुरू हो जाएगा । उम्मीदवार पैरा 3 के अधीन वेतन-वृद्धि हेतु सेवा भी इसी दिन से गिनी जाएगी । वेतन आवृत्ति का वितरण इस परिशिष्ट के पैरा 10 में उल्लिखित है ।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस सक्षम लागू नियमों के जो भारतीय रेल के अधिकारियों पर लागू हैं, अतः लागू होंगे के पात्र होंगे ।

9. सामान्यतः अधिकारी पूरी सेवा के लिए, उसी रेल में लगे रहेंगे जहाँ उनकी पहली नियुक्ति होती है, और किसी दूसरे रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि सेवा की परीक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में परियोजना में स्थानान्तरण कर सके । अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर डिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी ।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति अधिकारियों की इस समय वेतन की निम्न प्रकार दें ग्राह्य हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान : रु० 700-40-900 रु० 40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान : रु० 1100 (छठा वर्ष या कम) 50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (i) रु० 2250-125/2-2500

(ii) रु० 2500-125/2-2750

टिप्पणी 1:—परीक्षाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ वेतनमान का न्यूनतम दिया जाएगा और वेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यारम्भ की तारीख से गिनी जाएगी । किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका वेतन 740.00 रु० प्र० मा० से 780.00 प्र० मा० तक बढ़ाया जाएगा । उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी ।

टिप्पणी 2:—यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षों और परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं तो रु० 740-00 से रु० 780.00 तक वृद्धि रोक दी जाएगी जब निर्धारित अवधि के दौरान सभी विभागीय परीक्षाओं में असफल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि की समाप्ति के पश्चात् उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका वेतन जिस तारीख को अंतिम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियत किया जाएगा जो वे अन्यथा प्राप्त कर लेते । किन्तु उन्हें वेतन का कोई बढ़ावा नहीं दिया जाएगा । ऐसे मामलों में भविष्यगत वेतन वृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी ।

11. वेतनवृद्धि केवल अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार दी जाएगी ।

12. प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति संस्वीकृत स्थापना में रिक्तियाँ होने पर ही होती है और पूरी तरह चयन पर आधारित होती है । केवल वरिष्ठता पदोन्नति का कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

RULES FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION
1982

New Delhi-1, the 23rd January 1982

No. 9/11/81-CS-JL.—The Rules for Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, in 1982 for the purpose of filling temporary vacancies in the following service/posts (and for such other service/posts as may be included by the Commission in their Advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information :

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI.
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade.
- (iv) Armed Force Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerks in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi.
- (vii) Posts of Lower Division Clerks in the Office of the Inspector General of Indo-Tibetan Border Police, Delhi.
- (viii) Posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission.

Preference in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates at the time of submitting their applications. A candidate may, however, change the order of preferences once before the date of the written examination.

2. The number of vacancies to be filled on the basis of the results of the examination will be specified in the advertisement issued by the Commission in the newspapers. Reservation will be made for candidates who are ex-servicemen, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. (i) Ex-Servicemen means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as a non-combatant), in the Armed Forces of the Union, including the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineering Force, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation, and

- (a) has been released, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid or
- (c) has been released at his own request, after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

(ii) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) order 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) order 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) order 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) order 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956 the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962 the Constitution

(Dadra and Nagar Haveli, Scheduled Tribes Order 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970 the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

(iii) Physically Handicapped person means a person belonging to any of the following categories :—

- (a) *The Deaf* : The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear and understand sound at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing loss more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) of total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically handicapped* : The Orthopaedically handicapped are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles and joints.

The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in appendix 1 to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

(1) Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

(2) Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department, which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August 1982 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1957 and not later than 1st August 1964.

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

RULE : The period of "call up service" of an ex-servicemen of the Armed Forces shall also be treated as service concerned in the Armed Forces for purpose of Rule 5 (b) above.

(c) The upper age limit in all these cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of India on origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1963 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or before 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is bona fide repatriate of Indian Origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, or in peace time released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area or in peace time and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, (For candidates belonging to SC or ST who are physically handicapped, the maximum relaxation of ten years permissible for physically handicapped persons shall be in addition to the age relaxation provided in terms of Column (j)).
- (xv) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judi-

cially separated from their husbands, who are not re-married.

(d) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compilers/Storekeepers in the various Department/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks as on 1-8-82 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, (ii) Indian Foreign Service (B) (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service and to persons who are ex-servicemen competing at the examination for vacancies reserved for ex-servicemen.

(c) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-8-82 and who continue to be so employed.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for only vacancies in the Central Secretariat Clerical Service.

(f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of service clerks in the last years of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period from 2nd August 1982 to 1st August 1983. Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisation, which are not reserved for ex-servicemen.

(g) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-8-82 and who continue to be so employed.

NOTE 1 : Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate offices of P&T Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5 (d) above.

NOTE 2 : The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5 (d), Rule 5 (c) and Rule 5 (g) above, is liable to be cancelled if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by this Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

NOTE 3 : A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

NOTE 4 : Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Office/Department participating in the Ministry of External Affairs shall be eligible to appear at the examination provided that no Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continues to have lien on the post of Telephone Operator for the time being.

NOTE 5 : The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of this rule are concerned. They will not be required to appear at the typewriting test forming part of this examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk, failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operator recommended by the Commission shall be inducted only in I.P.S. (B)—Grade VI.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School, or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to Matriculation Certificate for entry into services.

NOTE 1: A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualifying examination will not be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2: In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that the possesses qualifications, the standard of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

7. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (D)—Grade VI.

8. A candidate already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a "No Objection Certificate" from his office before being allowed to take the Typewriting Test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE: In the case of the disable ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates except ex-servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) Impersonating,
- (iii) Procuring impersonation by any person, or

(iv) Submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature, for the examination, or

(vii) using unfair means in the examination hall, or,

(viii) misbehaving in the examination hall, or

(ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable:—

(a) to be disqualified by the commission from the examination for which he is a candidate, or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period:—

(i) by the Commission from any examination or Selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under appropriate rules, if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the basis of results of the examination.

Provided that the candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the basis of results of the examination to the preference expressed by a candidate for various services/posts at the time of his application.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at its discretion, and the Commission will not enter into the correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/Post.

R. C. GUPTA
Deputy Secretary (CS)

APPENDIX—I

The examination will consist of two parts, viz., part I—written examination, and part II—Typewriting Test.

PART I—Written Examination :—The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed
I	English Language	150	1½ hours
II	General Knowledge	150	1½ hours

PART II—Typewriting Test :—The Typewriting Test will consist of one paper on Running matter of 10 minutes duration.

2. The question paper on "English Language" and "General Knowledge" will be of the "Objective Type".

3. Only those candidates who attain, at the written examination, a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e., Part II of the scheme of Examination.

4. Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination. (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

NOTE. 1.—Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Test in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management or Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidates must indicate their Roll Numbers and the date of the Typewriting Test which they have passed.

NOTE 2.—A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability, may with the prior approval of the Chairman, Staff Selection Commission, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test, provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the competent medical authority i.e. the Civil Surgeon, declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

5. Candidates will be required to bring their own Typewriter for the Typewriting Test. A typewriter with the standard size roller will do for the test.

6. Candidates are allowed the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagiri Script) or in English.

7. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagiri Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that he would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a language other than the one opted for by the candidates.

8. The syllabus for the Written Examination will be shown in the schedule to this Appendix.

9. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

10. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

SCHEDULE

SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDING IN

PART I—WRITTEN EXAMINATION

1. English Language and General Knowledge :

(a) English Language Questions will be designed to test candidate's knowledge of English Grammar, Vocabulary, spellings, synonyms and antonyms, his power to understand and comprehend the English Language, and his ability to discriminate between correct and incorrect usage, etc.

(b) **General Knowledge :** Candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events, every-day science and such matter of every day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

APPENDIX—II

Brief particulars relating to Service/Posts to which recruitment is being made through this Examination.

A. Central Secretariat Clerical Service :

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :—

(i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

(ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade 'D' Stenographers' Examination after rendering not less than two years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 50 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

B. Railway Board Secretariat Clerical Service :

The Service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Clerical Service consists of the following two grades :—

(i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

(ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons required to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade of Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service held by the Ministry of Railway, after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The Upper Age Limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules :—

- (i) will be eligible for pensionary benefits and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway Staff.

9. As regards leave and other conditions of service, Staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway Staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. Indian Foreign Service (B) Grade VI

The scale of pay : Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-10-400.

Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B) are eligible for promotion to Grade V in the pay scale of Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 on completion of eight years of service in the grade.

2. Officers of Grade V of the Indian Foreign Service (B) will in turn be eligible for appointment to Grade IV of the Service in the pay scale of Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800 on completion of five years of service in the grade.

3. Officers of Grade VI of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for promotion to Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of the Service in the pay scale of Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560 on completion of required number of years of service in the grade, on the basis of a Limited Departmental Examination.

4. Such officers of Grade VI, who are graduates, will be eligible for appointment to the grade of Assistant in the Sub-Cadre of IFS (B) in the pay scale of Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800 on completion of required number of years of service in the grade through a Limited Departmental Examination.

5. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) will be liable to serve in any post either at Headquarters, anywhere in India or abroad to which they may be posted by the controlling authority.

6. During service abroad, IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;

(ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;

(iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India as may be defined by the Government;

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 22 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions;

(v) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the Officer is met by the Government subject to certain conditions;

(vi) Outfit allowance—Rs. 1,750/- per posting abroad.

(vii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

7. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the service will be governed by the relevant provisions of the Indian Foreign Service (B) (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, and also by any other rules or orders, which Government may hereafter make.

D. Armed Forces Headquarters Clerical Service

The Armed Forces Headquarters Clerical Service has two grades as follows :—

Upper Division Grade.—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from amongst Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in the Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in India/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, medical aid and other conditions of service will be the same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

E. Department of Parliamentary Affairs

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Department is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

Candidates appointed to the service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

F. Indo-Tibetan Border Police

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border Police is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

Candidates appointed to these posts on the basis of results of this examination will be on probation for a period of two years.

G. Central Vigilance Commission and Election Commission

1. The scale of pay for the post of Lower Division Clerks in the Commissions is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

2. The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the C.S.C.S.

3. The persons appointed will be on probation for a period of two years.
4. They will be eligible for promotion to the grade of Upper Division Clerk after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in case of Election Commission.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. 81/E(GR)/1/1/8.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1982 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2 The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidate belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists) (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu); Scheduled Tribes Order, 1968 the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970; the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East Africa countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1982, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1962; and not later than 1st January, 1966,

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed areas and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975; and
- (xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who

arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;

University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(b) must have passed in the first or second division the Higher Secondary (12 years) Examination under 10+2 pattern of School Education with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination, or

(xiv) up to a maximum of five years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.

(c) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary Examination or the Pre-University or equivalent Examination in the first or second division.

(xv) up to a maximum of ten years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year examination is conducted by a University; or

(d) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University; approved by the Government of India; or

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

(a) must have passed in the first or second division, the intermediate or an equivalent Examination of a

(e) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination or any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or

- (f) must have passed in the first year examination under the five year Engineering Degree Course of a University, provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a university; or

- (g) must have passed in the first or second division the Pre-degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 20th August, 1982.

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE IV.—Candidates who hold Diploma in Engineering awarded by the State Boards of Technical Education are not eligible for admission to the Special Class Railway Apprentices' Examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged

employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) If he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Sche-

duled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 (Rupees sixteen only) to the Medical Board concerned at the time of the medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer to the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed in consistent with the requirements of the service.

17. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

HIMMAT SINGH
Secy., Railway Board

APPENDIX I

(See Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plain :

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below.

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks. (Vide Rule 12)

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows :—

Sl. No.	Subject	Code No.	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	01	2 Hours	100
2.	General Knowledge	02	2 Hours	100
3.	Physics	03	2 Hours	100
4.	Chemistry	04	2 Hours	100
5.	Mathematics I (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	05	2 Hours	100
6.	Mathematics II (Calculus—Differential and Integral and Mechanics (Statics and Dynamics)	06	2 Hours	100
7.	Psychological Test	07	1 Hour	100
	. . . Total			700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL APPENDED TO COMMISSION'S NOTICE (ANNEXURE II).

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

9. The candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

ENGLISH (Code No. 01)—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society the standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods. Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plants, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons. Climate. Weather. Soil—its formation, erosion. Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars, Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gandharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—Democracy, Secularism, Socialism, equality of opportunity and Parliamentary form of government—Major political

ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power, World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system : the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition; social control—reward and punishment, art, law, custom, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

PHYSICS (Code No. 3)

Length measurements using vernier, screw, gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force; couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force; Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and First law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat; thermal conductivity.

Wave motion, Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary, waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms; deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current; electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and Voltmeters; Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid electromagnetic; electric bell.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

CHEMISTRY (Code No. 04)

Physical Chemistry

1. Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle, s, p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in periods and groups.

2. Chemical Bonding. Electro-valent covalent, Coordinate covalent bonds, Bond Properties σ and π bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction: Exothermic and endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibria and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure. Temperature and concentration on the rates of reaction. (Qualitative treatment based on Le Chatelier's Principle). Molecularity, First and Second order reaction. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions: True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points Depression of freezing point: osmotic Pressure, Raoult's law. (Non-thermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry: Solution of Electrolytes Faraday's Laws of Electrolysis. Ionic equilibria. Solubility Product.

Strong and weak electrolytes Acids and Bases (Lewis and Bronstead's concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity: Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds:

1. Hydrogen: Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character, Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. Coal, Coke and solid Fuels, silicates, Zolites semi-conductors. Glass (Elementary treatment)

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of Sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of fluorine chlorine. Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group O. (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes: General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead Common alloys of these metals; Nickel and manganese steels.

Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hybridisation and on bonds and their relative strength. Single and multiple bonds Shapes of molecules, Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons: Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives: Chloroform, Carbon, Tetrachloride. Chlorobenzene D.D.T. and DDT.

4. Hydroxy Compounds: Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols. Methanol, Ethanol Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers: Diethyl ether.

6. Aldehyde and Ketones: Formaldehyde, Acetaldehyde. Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines: Nitrobenzene, TNT, Aniline Diazonium Compounds. Azodyes.

8. Carboxylic acid: Formic, acetic, Benzoic and salicylic, acids acetyl salicylic acid.

9. Esters: Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers: Polythene. Tejlod, Perspex, Artificial Rubber, Nylon and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Fats and lipids, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

MATHEMATICS I (Code No. 05)*Algebra*

Number Systems—Natural numbers. Integers, Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm Prime and Composite numbers. Multiples and factors Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

Logarithms and their use.

Basic Operations. Simple factors H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm.

Laws of Indices. A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutations and Combinations. Binomial Theorem for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve $y = a + bx + cx^2$ for given values of y at x^1 , x^2 and x^3 .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs 2×2 Matrices and elementary operations Identity matrix. Inverse of a matrix Determinants of order not exceeding 3.

Elementary Mensuration

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(Practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary.)

Trigonometry

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

Simple cases of heights and distances.

Analytic Geometry

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angle between two lines, Parallel and perpendicular lines.

Cartesian equation of a pair of straight lines.

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles. Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission).

MATHEMATICS II (Code No. 06)*Calculus (Differential and Integral)*

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Examples of rational and trigonometric functions and step function.

6—421GI/81

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivative of sum, difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite functions and of inverse of 1—1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts.

Mechanics (Vector methods would be permissible)

Statics : Representation of a force, parallelogram of forces. Composition and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium—Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

Dynamics : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidates may be allowed the use of 4-place logarithmic tables where considered necessary by the Commission).

PSYCHOLOGICAL TEST (Code No. 07)

The equations will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

PERSONALITY TEST

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

**REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATIONS
OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE
INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL
ENGINEERS**

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy

the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc. whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight

thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles or the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than $\frac{1}{4}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

- (ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates	6/6	6/12		
below 35 years	or	or		
of age	6/9	6/9	J-I	J-II

NOTE : (1) •

- (a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed — 4.00D.
- (b) Total Hypermetropia, (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.
- (c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision :

The testing of colour vision is compulsory and the result should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm	13 mm
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness :

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) Squint. The presence of binocular vision is essential. Squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One eyed person.*—One eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination

of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. *Blood Pressure :*

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal

position. The arm should be freed from clothes at the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds Sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialists will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be

got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—

- | | |
|---|--|
| (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | Any unhealed Perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification. |
| (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (v) Persistently discharging ear-operated/unoperated. | Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | <p>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases,</p> <p>(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit.</p> |
| (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. | <p>(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.</p> <p>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.</p> |

- | | |
|--|--|
| (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | <p>(i) Benign tumours—Temporarily unfit.</p> <p>(ii) Malignant tumours—Unfit.</p> |
| (ix) Otosclerosis | Unfit for appointment as Special Class Apprentices. |
| (x) Congenital defects of ear, nose or throat. | <p>(i) If not interfering with functions—Fit.</p> <p>(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.</p> |
| (xi) Nasal Poly. | Temporarily Unfit. |
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his/her heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he/she is not ruptured;
- (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;
- (i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical board.

Medical Board and their report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension of payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(A) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters)

.....
.....
.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....
.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorakhas, Garwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

.....

4. (a) Have you ever had small pox, Intermittent or any, other fever, enlargement or suppuration of glands, Spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism appendicitis?

OR

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment.

.....
.....

5. When were you last vaccinated ?

.....

pressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption serofula gout, asthma, fits, epilepsy, or insanity ?

(B) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

1. General Development : Good.....

Fair..... Poor.....

Nutrition : Thin..... average.....

..... obese.....

Height (without shoes)

Weight..... Best Weight.....

When ? Any recent change

in weight ?

Temperature

.....

.....

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual Acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.				
Near vision	R.E. L.E.				
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.				

4. Ears : Inspection.....Hearing.....

Right Ear Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

.....

If yes, explain fully

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	--	--

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	---	---

9. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

10. If answer to the above is yes, please state what service/services you were examined for ?

.....

11. Who was the examining authority ?

.....

12. When and where was the Medical Board held ?

.....

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

.....

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....
 Signed in my presence.....
 Signature of Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully sup-

8. Circulatory System :

for which of them is he considered unfit.

- (a) Heart : Any organic lesions
-
- Rate : Standing

.....After hopping 25 times
.....2 minutes after hopping

Blood pressure :

Diastolic : Systolic :

Date.....

Place.....

President.....

Member.....

9. Abdomen Girth Tenderness
-
- Hernia

- (a) Palpable : Liver
-
- Spleen Kidneys
-
- Tumours

- (b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any Abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
-
- (b) Sp. Gr.
-
- (c) Albumen
-
- (d) Sugar
-
- (e) Casts
-
- (f) Cells

13. Report of X-ray of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate?

NOTE :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and

APPENDIX III

Conditions of Apprenticeship for Special Class Apprentices Selected through this Examination

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment Manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate offered appointment as a Special Class Railway Apprentice shall execute an agreement in the prescribed form binding himself and one surety jointly and severally, to refund, in the event of his failing to complete training as a Special Class Railway Apprentice or to accept the service as an officer on probation in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, if offered to him, to the satisfaction of the Government, any moneys paid to him and any other moneys expended by Government on him, the Government being the exclusive judge of the quantum of such expense.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharge from the apprenticeship.

NOTE.—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will, depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE.—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE.—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six Semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineers, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, Provided that in each of the six Semester Examinations he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

APPENDIX IV

Particulars Regarding the Indian Railway Service of

Mechanical Engineers

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later;

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass Parts I & II of AMIME (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE.—(i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the Syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating, General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act, ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examinations within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will, in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after the expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and Orders in force from time

to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi. Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationer;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

- (a) will be eligible to pensionary benefits, and
- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund;

as applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600/-.

Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500.
(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approval service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotions to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.